INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF HUMANITIES AND INTERDISCIPLINARY STUDIES
(Peer-reviewed, Refereed, Indexed & Open Access Journal)
DOI : 03.2021-11278686 ISSN : 2582-8568 IMPACT FACTOR : 5.828 (SJIF 2022)

कोविड-19 की रोकथाम में प्रिंट मीडिया के योगदान पर अध्ययन

(Study on Contribution of Print Media for Prevention of Covid-19)

Kanchan Jain
Research Scholar
Department of Education,
Mangalayatan University,
Aligarh (Uttar Pradesh, India)

Dr. Yatendra Pal
Associate Professor
Department of Education,
Mangalayatan University,
Aligarh (Uttar Pradesh, India)

DOI No. 03.2021-11278686 **DOI Link ::** https://doi-ds.org/doilink/07.2022-77962732/IRJHIS2207014

कोविड-19 की पृष्ठभूमि :

COVID-19 एक रोग है, कीटाणु 2019 चीन के हुबेई प्रदेश के रोग से प्रभावित है। **विश्व स्वास्थ्य संगठन** घोषणा की कि 15 जुलाई, 2020 से 13 मई तक से अब तक, 0.6 समस्या की शिकायत आयी हैं। 1.4% (डॉटेशन्स के परिवार के साथ) 31 दिसंबर, 2019 के बीच, देर से सूचना देने के लिए, 2020 तक बिना जाने ही मामले की घोषणा की, तो कल 44 केस दर्ज किए गए।इस समय 7 जनवरी, 2020 को **नोवेल की रिपोर्ट डाटा के अनुसार**, विश्व के साथ साझा किया गया।

विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्ल्यूएचओ) ने 11 फरवरी, 2020 को इस बीमारी को 'COVID-19' और अनिश्चित को 'SARS-CoV-2' नाम दिया है। संतुलन के अनुकूलता के संतुलन को 2003 में रखा गया था। अन्य प्रकार के सार्स परिवार एसएआर-सीओवी और एमईआर मेरर्स-सीओवी शामिल हैं।

मौसम की स्थिति के अनुसार मौसम की स्थिति में परिवर्तन होता है। स्थिर वातावरण में है। ब्लोकड के लिए एयर कंडीशनिंग, एयर ब्रीड,इस रोग का वर्णक्रमीय परिवर्तन गंभीर है। यह सार्वजनिक क्षेत्र की हैं। देशवासियों के लिए, यह या तो इंटरनेट या मिडिया है, प्रिंटर के साथ-साथ वैकल्पिक भी शामिल हैं। इंटरनेट के लिए अनुकूल है। इस रोगसूचकता की त्वरित निदान, सटीक निदान के लिए उपयुक्त घरेलू और खतरनाक बैक्टीरिया की आवश्यकता होगी।

जब कोई भी कीटाणु कीटाणुशोधक, तो यह कीटाणु कीटाणुशोधक, पौरुष में परिवर्तन और अंत में बदल जाएगा।संपर्क के मामले में नियंत्रण के उपाय. नियंत्रण संचार, संचार संचार, नियंत्रण और शमन संचार और अंत में, प्रभाव के बारे में प्रभाव पड़ता है। आँकड़ों के हिसाब से, मौसम का संचार का सही संचार व्यवस्था और संचार का प्रबंधन शामिल है। मिडिया हर कदम पर अजीब है। लोगों के व्यवहार और रोशनी को सुधारने वाला। 2009 में चीन के शान्ती प्रदेश में H1N1 था जिसे साझा किया गया था। 2016 में एक सुनाने में, अभियान। इस तरह के मिडिया के साथ संवाद कर सकते हैं और इसलिए, यह प्रभावी है ।आँकड़ों के हिसाब से, मौसम का संचार का सही संचार व्यवस्था और संचार का प्रबंधन शामिल है।

कोविड-19 का देश पर सामाजिक प्रभाव :

पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ ही एक व्यक्ति के जीवन को भी चालू रखने वाला है। यह एक मनुष्य, अर्थव्यवस्था और सामाजिक संकट है। विश्व संगठन (डब्ल्यूएचओ) में रोग (कोविड-19) के रूप में, सामाजिक रूप पर

हमला कर रहा है।

विश्व पर्यावरण और सामाजिक विकास का विभाग (एन राष्ट्र डीईई) :

विकास का प्रमुख और विकसित (स्थान) जैसा है, जस का तस ही रहने वाला है। वैश्विक सामाजिक विकास (DISD) के माध्यम से UN DESA, राष्ट्रीय और सामाजिक- सामाजिक-सामाजिक-कारकों वाला, विशेषता की पहचान करने वाला, और राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक विशेषज्ञ के लिए आवश्यक है। विषमता, विषमता, विषमता के लिए एक प्रमुख ध्वनि है। COVID-19 के व्यक्तित्व की पहचान की जा सकती है। अव्यक्त व्यक्ति, युवा और स्वदेशवासी शामिल हैं। आर्थिक रूप से असंतुलित होने के कारण वे खराब नहीं हो सकते हैं । जीवन के लिए संभावित रूप से सुरक्षित हैं, जैसे कि वे संभावित रूप से खतरे में हैं। बहते पानी के लिए जरूरी है, प्रवास या अन्य प्रकार से अनुकूल से संबंधित है - साथ ही साथ काम करने के लिए बेहतर भी है।

डॉ. अनीस ब्रिक के नेतृत्व में एक अंतरराष्ट्रीय शोध प्रबंध के अनुसार, जो सामाजिक नीति और गुणवत्ता के विकास में सक्षम, बेहतर गुणवत्ता वाले हैं, जो हमद ख़लीफ़ा कॉलेज ऑफ पब्लिक में प्रोफ़ेसर हैं। रोग की स्थिति में कमी होती है। इस काम में 18 साथी भी हैं।

वैश्विक आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (OECD) ने वर्ष 2020 के लिए दुनिया की अर्थव्यवस्था की विकास दर का पूर्वानुमान घटाकर 2.4 प्रतिशत कर दिया है (पहले ये आकलन 2.9 प्रतिशत की वृद्धि दर का था). साथ ही ओईसीडी ने ये भी चेतावनी दी है कि अगर ये वैश्विक महामारी और फैलती है, तो विश्व अर्थ व्यवस्था की विकास दर और घट कर 1.5 प्रतिशत ही रह जाने की आशंका से साफ मनाही की जा सकती है।

ब्लूमबर्ग के आकलन के अनुसार कोरोना वायरस के प्रकोप से वैश्विक अर्थव्यवस्था के उत्पादन को 2.7 खरब डॉलर की क्षति हो सकती है।ये हानि भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के बराबर है। कोरोना वायरस के संक्रमण से अभी भारत की अधिकतर जनसंख्या बची हुई है। परंतु भारत के बहुत से शहरों में इसकी रोकथाम के लिए कई जरूरी उपाय किए गए हैं। इनमें कई कंपनियों में घर बैठकर काम करने की नीतियां, स्कूल और कॉलेज, शॉपिंग मॉल, रेस्टोरेंट, जिम और सिनेमाघर बंद करना शामिल है एवं बड़े आयोजनों को रद्द करने जैसे क़दम सराहनीय हैं। आवागमन पर लगे तमाम तरह के प्रतिबंधों के चलते पर्यटकों की आवाजाही भी बहुत ही कम हो गई है। जनवरी से मार्च की तिमाही के दौरान, विदेशी और घरेलू पर्यटकों का आगमन क्रमश: 67 एवं 40 प्रतिशत तक घट गया है।

इकोनॉमिक इंटेलिजेंस यूनिट के डैन वैंग के आकलन के अनुसार ऐसे संकेत मिलते हैं कि इस महामारी के कारण चीन के शहरों में लगभग 90 लाख लोगों की नौकरियां एक वर्ष में चली जाएंगी. और कामगारों के वेतन में 30 से 50 प्रतिशत तक की कटौती हो सकती है।

विश्व आर्थिक मंच के बड़े अर्थशास्त्रियों द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार इन प्रतिबंधों के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुस्ती आ सकती है. हम इसके संकेत चीन की अर्थव्यवस्था में तो पहले ही देख रहे हैं। जहां से कोरोना वायरस का ये संकट आरंभ हुआ था। जहां आवाजाही के सख़्त प्रतिबंध पिछले कई माह से लागू हैं। जनवरी-फरवरी 2020 में स्थायी निवेश 24.5 प्रतिशत घट गया। खुदरा बिक्री 20.5 प्रतिशत कम हो गई। औद्योगिक उत्पादन 13.5 फ़ीसद कम हो गया।

इकोनॉमिक इंटेलिजेंस यूनिट के डैन वैंग के आकलन के अनुसार ऐसे संकेत आ रहे हैं कि इस महामारी के कारण चीन के शहरों में लगभग 90 लाख लोगों की नौकरियां एक वर्ष में चली जाएंगी और कामगारों के वेतन में 30 से 50 प्रतिशत तक की कटौती हो सकती है।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन (PM-SYM) की घोषणा जुलाई 2019 में पेश किए गए बजट में की गई थी। इस योजना की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ें बताते हैं कि अब तक इस योजना से केवल 43 लाख कामगार जुड़े हैं, जो असंगठित क्षेत्र में काम कर रहे कुल लोगों का महज़ एक प्रतिशत हिस्सा हैं. कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी (2019) के ड्राफ्ट को दिसंबर 2019 में संसद के सामने रखा गया था। ये ड्राफ्ट कहता है कि, 'केंद्र या राज्य सरकारें ऐसी योजनाएं लागू कर सकती हैं, जो सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म या गिग इकॉनमी में काम करते हैं या असंगठित क्षेत्र के कामगार हैं,

ताकि उन्हें अलग-अलग लाभ जैसे कि जीवन बीमा और विकलांगता की बीमा सुरक्षा प्रदान की जा सके। लेकिन, इस विषय में और विस्तार से जानकारी नहीं उपलब्ध कराई गई है।

दिसंबर 2019 में जारी नीति आयोग की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है, कि वो एक ऐसी स्वास्थ्य बीमा योजना पर काम कर रहे हैं, जिनसे उन लोगों को स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया जा सके। जो ग़रीबी की औसत परिभाषा के दायरे में तो नहीं आते, परंतु ग़रीबी रेखा से ठीक ऊपर हैं और वंचित वर्ग से ताल्लुक़ रखते हैं.' भारत की जनसंख्या का ये वर्ग, अपनी सामाजिक सुरक्षा के उपायों के लिए योगदान देने की वित्तीय शक्ति तो रखता है. लेकिन, किसी भयंकर स्वास्थ्य समस्या के संकट के समय इलाज के ख़र्च से बर्बादी का शिकार हो सकता है। जिसके कारण ये वर्ग दोबारा ग़रीबी रेखा के नीचे जा सकता है। इस 'गरीब मध्यम तबक़े' का एक बड़ा वर्ग असंगठित क्षेत्र के कार्यों में संलग्न है और अधिकतर शहरी इलाक़ों में रहता है।

वैश्विक महामारी कोविड-19 की रोकथाम में प्रिंट मीडिया का योगदान :

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति एम वैंकेया नायडू ने कहा कोरोना संकट के दौर में मीडिया की अहम भूमिका के लिए मीडिया वर्ग की सराहना की है। उन्होंने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के वक्त में सूचनाओँ के प्रसारण, विश्लेषण और आयामों को लेकर जिस तरह की संजीदा भूमिका मीडिया ने अदा की है, वह सराहनीय है।

अपनी फेसबुक पोस्ट- "Media: Our Partner in Corona Times" में उपराष्ट्रपति ने विस्तार से मीडिया के विभिन्न रुपों के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में इस वैश्विक महामारी के दौरान मीडिया ने सूचना, शिक्षा और सशक्त करने के लिए समाज के अहम और विश्वसनीय साझेदार की भूमिका निभाई है, ताकि देश के लोगों को इस संकट से उबरने में जागरूक किया जा सके और वे खुद को कोरोना संक्रमण से खुद को बचा सकें।

डीएम अभिलाषा कुमारी शर्मा ने सोमवार को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट स्थित परिचर्चा भवन में आयोजित कार्यक्रम में कही- उन्होंने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के वक्त में सूचनाओं के प्रसारण, विश्लेषण और आयामों को लेकर जिस तरह की संजीदा भूमिका मीडिया ने अदा की है, वह अत्यंत ही प्रशंसनीय व सराहनीय है। मार्च माह से ही इस वैश्विक महामारी के दौरान मीडिया ने सूचना, शिक्षा ,जागरूकता के मामले में समाज के अहम और विश्वसनीय साझेदार की भूमिका निभाई है। ताकि देश के लोगों को इस संकट से उबरने में जागरूक किया जा सके और वे खुद को कोरोना संक्रमण से बचा सके। उन्होंने कहा कि जब कोई भी मुश्किल की घड़ी सामने होती है तब लोगों को उसके पीछे के कारण और परिणाम तथा उससे बचाव की जानकारी की जरूरत होती है। ऐसे में लोगों की इन सभी जरूरतों को पूरा करने की जिम्मेदारी मीडिया की होती है। कोरोना महामारी के वक्त में लोगों को मास्क पहनने, सामाजिक दूरी का पालन करने, हाथों को लगातार धोने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नियमित व्यायाम को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि बिहार विधान सभा आम निर्वाचन 2020 में मीडिया की सहभागिता सराहनीय रही। इससे पहले डीएम ने समेत अधिकारियों व मीडिया प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया जिला जनसंपर्क कार्यालय के तत्वावधान में आयोजित परिचर्चा का विषय 'कोरोना काल में मीडिया की भूमिका और मीडिया का प्रभाव था। कार्यक्रम में आए हुए सभी का स्वागत डीपीआरओ परिमल कुमार ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डीआरडीए के निर्देशक मुमुक्ष चौधरी ने किया। मौके पर सदर एसडीओ व अन्य प्रशासनिक पदाधिकारी, वरीष्ट पत्रकार नरेन्द्र कुमार समेत प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार मौजूद थे।

आईपीआई के कोविड-19 प्रेस फ्रीडम ट्रैकर के अनुसार अब तक विश्व भर में 600 से अधिक ऐसे मामले उजागर हुए हैं। इनमें या तो प्रेस की स्वतंत्रता का उल्लंघन हुआ है या फिर पत्रकारों पर शारीरिक हमले या जरूरत से ज्यादा सख़्त कार्रवाइयाँ हुई हैं।

प्रेस स्वतंत्रता ट्रैकर में सभी उल्लंघनो के आँकड़े संकलित करना मुश्किल है, क्योंकि बहुत सारी घटनाओं के

बारे में रिपोर्ट प्रकाशित नहीं होती है। एकत्रित आँकड़ों से यह तो स्पष्ट है कि दुनिया भर में प्रेस की स्वतंत्रता को सरकारों के कदमों से बहुत धक्का लगा है। आम नागरिक प्रामाणिक और विश्वसनीय जानकारी से वंचित रह गए हैं आंकड़े दर्शाते हैं कि 34 प्रतिशत मामलों में पत्रकारों पर हमले हुए, जबकि 33.5 प्रतिशत घटनाएं पत्रकारों की गिरफ्तारी से संबंधित हैं या जिनमें सरकारों ने पत्रकारों और मीडिया संगठनों पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उल्लंघन के सभी मामलों में से लगभग 14 प्रतिशत सूचना के उपयोग पर लगाए गए प्रतिबंध से संबंधित हैं.

आँकड़ों के क्षेत्रीय विभाजन से पता चलता है कि गिरफ्तारी और आरोपों से संबंधित उल्लंघन के सबसे अधिक मामले एशिया-प्रशांत क्षेत्र में हुए. वहीं पत्रकारों पर शारीरिक हमले और धमकियाँ यूरोप में सबसे अधिक दर्ज हुईं।

एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के अनुसार जनवरी 2021 में पत्रकारों पर 15 से अधिक हमले हुए और यह सभी हमले तब हुए जब पत्रकार कोरोना संक्रमण के दौर में ही चल रहे किसान आंदोलन कवर करने गए थे।

संदर्भ :

1. "कोविड-19" । इंटरनेट डिक्शनरी (स्वतंत्र संस्करण)। यूनिवर्सिटी प्रेस . अप्रैल 2020 । 15 अप्रैल 2020 को कहा गया । (सदस्यता या संगठन की संस्था की बैठक।)
2. "कोरोनावायरस के लक्षण" । यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) । 13 मई 2020। 17 जून 2020 को मूल से संग्रहीत । 18 जून 2020 को लिया गया ।
3. "कोरोनाविरस पर प्रश्नोत्तर (कोविड-19)" । विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ)। 17 अप्रैल 2020। मूल से 14 मई 2020 को संग्रहीत । 14 मई 2020 को लिया गया ।
4. "COVID-19 के टीके" । विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) । 3 मार्च 2021 को लिया गया ।
5. तालिक, एस; शाह, एस; जंगली, एच; गेसेविक, डी; महाराज, ए; अडेमी, जेड; ली, एक्स; जू, डब्ल्यू; मेसा-एगुइगारे, आई; रोस्ट्रोन, जे; थियोडोराटौ, ई (17 नवंबर 2021)। "कोविड -19, SARS-CoV-2 संचरण, और कोविड -19 मृत्यु दर की घटनाओं को कम करने में सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों की प्रभावशीलता: व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण"। बीएमजे (क्लिनिकल रिसर्च एड।) 375 : e068302। doi: 10.1136/bmj-2021-068302 (निष्क्रिय 25 मार्च 2022)। आईएसएसएन 1756-1833 । पीएमआईडी 34789505 ।
6. "जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी (JHU) में सेंटर फॉर सिस्टम साइंस एंड इंजीनियरिंग (CSSE) द्वारा COVID-19 डैशबोर्ड" । आर्कगिस । जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय । 27 जून 2022 को लिया गया ।
7. पेज जे, हिनशॉ डी, मैके बी (26 फरवरी 2021)। "हंट फॉर कोविद -19
8. ओरिजिन, पेशेंट जीरो पॉइंट टू सेकेंड वुहान मार्केट में - नए कोरोनावायरस के पहले पुष्ट संक्रमण वाले व्यक्ति ने डब्ल्यूएचओ टीम को बताया कि उसके माता-पिता ने वहां खरीदारी की थी" । वॉल स्ट्रीट जर्नल । 27 फरवरी 2021 को लिया गया ।
9. इस्लाम एमए (अप्रैल 2021)। "कोरोनावायरस रोग 2019 (COVID-19) के साथ वयस्क और बाल रोगियों में बुखार की व्यापकता और विशेषताएं: 17515 रोगियों की एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण"। प्लस वन। 16 (4): ई 0249788। बिबकोड: 2021PLoSO..1649788I। डोई: 10.1371/journal.pone.0249788 । पीएमसी 8023501 । पीएमआईडी 33822812 ।
10. इस्लाम एमए (नवंबर 2020)। "कोरोनावायरस रोग 2019 (COVID-19) के रोगियों में सिरदर्द की व्यापकता: 14,275 रोगियों की एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण" । न्यूरोलॉजी में फ्रंटियर्स । 562634. डोई : 10.3389/fneur.2020.562634 । पीएमसी 7728918 । पीएमआईडी 33329305 ।
11. सानियासिया जे, इस्लाम एमए (अप्रैल 2021)। "कोरोना वायरस रोग 2019 (COVID-19) में घ्राण रोग की व्यापकता: 27,492 मरीजों का 11.मेटा-विश्लेषण"। लैरींगोस्कोप। 131 (4): 865–878. डोई :

10.1002/लैरी.29286। आईएसएसएन 0023-852X। पीएमसी 7753439। पीएमआईडी 33219539।

12. सानियासिया जे, इस्लाम एमए (नवंबर 2020)। "कोविड-19 के मामलों में स्वाद विकारों की व्यापकता और विशेषताएं: 29,349 मरीजों का एक मेटा-विश्लेषण"। ओटोलरींगोलॉजी-सिर और गर्दन की सर्जरी। 165 (1): 33-42. डोई : 10.1177/0194599820981018। पीएमआईडी 33320033। S2CID 229174644।
13. अग्यमन एए, चिन केएल, लैंडर्सडॉर्फ़र सीबी, ल्यू डी, ऑफ़ोरी-एसेंसो आर (अगस्त 2020)। "COVID-19 के रोगियों में गंध और स्वाद की शिथिलता: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण"। मेयो क्लिन। प्रोक। 95 (8): 1621-1631. डोई : 10.1016/j.mayocp.2020.05.030। पीएमसी 7275152। पीएमआईडी 32753137।10.1016/j.mayocp.2020.05.030। सी 7275152। 32753137
14. ओरान डीपी, टोपोल ईजे (जनवरी 2021)। "सार्स-सीओवी -2 संक्रमणों का अनुपात जो स्पर्शोन्मुख हैं: एक व्यवस्थित समीक्षा"। आंतरिक चिकित्सा के इतिहास। 174 (5): एम20-6976। डीओआई: 10.7326/एम20-6976। पीएमसी 7839426। पीएमआईडी 33481642।
15. "पुष्टि किए गए कोरोनावायरस रोग (COVID-19) वाले मरीजों के प्रबंधन के लिए अंतरिम नैदानिक मार्गदर्शन"। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी)। 6 अप्रैल 2020। 2 मार्च 2020 को मूल से संग्रहीत। 19 अप्रैल 2020 को लिया गया।
16. दिसी (11 फरवरी 2020)। "-को वाइट"। डिट सेन्टर फॉर डिजीज एंड प्रिवेंशन (सी.डी.) . 12 जुलाई 2021 को कहा गया।
17. देहसी (11 फरवरी 2020)। "कोरोना रोग रोग 2019 (COVID-19)"। डिट सेन्टर फॉर डिजीज एंड प्रिवेंशन (सी.डी.) . 6 दिसंबर 2020 को बताया गया।
18. "COVID-19 के बारे में चिकित्सीय प्रश्न: प्रश्न और उत्तर"। डिट सेन्टर फॉर डिजीज एंड प्रिवेंशन (सी.डी.). 17 नवंबर 2021। 25 जनवरी 2022 को कहा गया।
19. "व्हानहैंड के समाचार पत्र की अवधि"। एन टाॅल. ऑर्ग. एन घड़ी। 4 अप्रैल 2020 को कहा गया। मैकनील जूनियर डीजी (2 फरवरी 2020)। "वुहान कोरोनावायरस एक महामारी की तरह तेजी से दिखता है, विशेषज्ञों का कहना है"। द न्यूयॉर्क टाइम्स। आईएसएसएन 0362-4331। 2 फरवरी 2020 को मूल से संग्रहीत। 4 अप्रैल 2020 को लिया गया।
20. ग्रिफिथ्स जे. "वुहान कोरोना वायरस की मौत फिर से बढ़ जाती है क्योंकि प्रकोप धीमा होने का कोई संकेत नहीं दिखाता है"। सीएनएन। 4 अप्रैल 2020 को लिया गया।
21. जियांग एस, ज़िया एस, यिंग टी, लू एल (मई 2020)। "एक उपन्यास कोरोनवायरस (2019-nCoV) जो निमोनिया से जुड़े श्वसन सिंड्रोम का कारण बनता है"। सेलुलर और आणविक इम्यूनोलॉजी। 17 (5): 554. डोई : 10.1038/एस41423-020-0372-4। पीएमसी 7091741। पीएमआईडी 32024976।
22. चान जेएफ, युआन एस, कोक केएच, टू केके, चू एच, यांग जे, एट अल। (फरवरी 2020)। "निमोनिया का एक पारिवारिक समूह 2019 उपन्यास कोरोनावायरस से जुड़ा है जो व्यक्ति-से-व्यक्ति संचरण का संकेत देता है: एक परिवार समूह का एक अध्ययन"। नुकीला। 395 (10223): 514-523। डोई : 10.1016/एस0140-6736(20)30154-9। पीएमसी 7159286। पीएमआईडी 31986261।
23. शब्लोव्स्की एस (सितंबर 2017)। "स्पेनिश फ्लू की विरासत"। विज्ञान। 357 (6357): 1245. बिबकोड: 2017 विज्ञान...357.1245एस। डोई : 10.1126/विज्ञान.आओ4093। आईएसएसएन 0036-8075। S2CID 44116811।
24. "कोरोना वायरस कलंक को अभी बंद करो"। प्रकृति। 580 (7802): 165. 7 अप्रैल 2020। बिबकोड: 2020Natur.580.165।. डीओआई: 10.1038/डी41586-020-01009-0। पीएमआईडी 32265571। S2CID 214809950। 16 अप्रैल 2020 को लिया गया।